ISSN: 2584-0231(Online)
International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology
© IJMRAST | Vol. 3 | Issue 11 | November 2025
Available online at: https://ijmrast.com
DOI: https://doi.org/10.61778/ijmrast.v3i11.204

सुरिन्दर गीत द्वारा रचित कहानी संग्रह 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' का समीक्षात्मक अध्ययन

डॉ. भरत सिंह[1], डॉ. नरेश कुमार[2]

[1]सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, कांगड़ा

[2]सह आचार्य, पंजाबी एवं डोगरी विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, धौलाधार परिसर 01, कांगड़ा, 176215

Email: nareshaman2002@hpcu.ac.in

शोध सार

सुरिन्दर गीत पंजाबी साहित्य जगत की एक जानी-मानी लेखिका हैं | वह अपनी साहित्यिक यात्रा में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में क्रियाशील हैं | उनके साहित्य सृजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने समकालीन यथार्थ के बहुआयामी पक्षों और जीवन-मूल्यों को पूरी यथार्थपरकता के साथ उद्घाटित किया है | इनके आलोच्य कहानी संग्रह 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' में कुल सत्रह कहानियाँ सम्मिलित हैं जिसमें 'ताये के : चोर-उच्चके नहीं', गर्म पानी, तोहफ़ा, कैनेडा की टिकट, बेटी का कर्ज, बदलते रिश्ते, मैं अच्छी माँ हूँ, बेघर लोग, खेत के कोने में, गुनाह, देवता, नयी जूती, कुर्वानी, क्या जरूरत थी पापड़ बेलने की, तीन पीढियाँ, माँ और एक अंत, एक शुरुआत उल्लेखनीय' हैं | विवेच्य कहानियों में समकालीन जीवन की अनेकानेक समस्याओं को उजागर किया गया है | इसके साथ-साथ इस कहानी संग्रह में नई और पुरानी पीढ़ी के आत्मसंघर्ष, फ़ासले और द्वंद्व को रेखांकित किया गया है | वर्तमान में सुरिन्दर गीत कैनेडा में निवासरत हैं अतएव उनकी रचना धर्मिता में कैनेडा में काम करने वाले भारतीय लोगों की जीवन-शैली, उनकी समस्याओं, कैनेडा के मूल निवासियों द्वारा भारतीयों का किया जाने वाला शोषण, स्वदेश के प्रति प्रेम, अंतर सांस्कृतिक मुद्दे, बेरोजगार की समस्या, कैनेडियन जीवनशैली की वृतांत, बुजुर्गों की समस्या, नारी त्रासदी, बाल शोषण, दहेज प्रथा, अनमेल विवाह, श्रमिक वर्ग की समस्याओं सहित मानव जीवन के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पक्षों को पूरी यथार्थपरकता के साथ प्रदर्शित किया है |

बीज शब्द : सुरिन्दर गीत, तोहफ़ा और तोहफ़ा, सहृदय, संवेदनशील, मानव-मूल्य, पंजाबी साहित्य, कैनेडा

प्रस्तावना

कैनेडा की पंजाबी कहानी के क्षेत्र में सुपरिचित कथाकार सुरिन्दर गीत द्वारा रचित 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' उनका पहला कहानी संग्रह है जिसमें लेखिका ने सत्रह कहानियाँ सम्मिलित की हैं | विवेच्य कहानी संग्रह में सुरिन्दर गीत ने मानव जीवन के विविध पक्षों को परिलक्षित करते हुए समाज के सम्पूर्ण ताने-बाने की सच्चाई को पाठक वर्ग के समक्ष लाती हैं | सुरिन्दर गीत के आलोच्य कहानी संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने अपने जीवन के अनुभवों,

संघर्षों और मानववादी दृष्टिकोण को कहानियों के माध्यम से उकेरा है जिसके कारणवश इनकी रचना धर्मिता में समकालीनता की विभिन्न परतों, दशाओं और दिशाओं को अति सूक्ष्मता के दिग्दर्शन होते हैं |

विवेच्य कहानी संग्रह न बल्कि सुरिन्दर गीत की भावनाओं और संवेदनाओं की अनुभूति है अपितु यह समस्त स्त्री जीवन की त्रासदी को भी प्रकट करती है | इन कहानियों की विषयवस्तु समाज के उन पुरुष प्रधान प्रवृत्तियों को नकारती हैं जिसमें सामन्ती और पूंजीवादी प्रबंध की भयानक परम्पराओं की वजह से वजूद ग्रहण करती हैं| सुरिंदर गीत ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की इन सामन्तवादी और पूंजीवादी प्रवृत्तियों-परम्पराओं को नकार कर स्त्री अस्मिता की पड़ताल की है | मालवा जनपद सुरिन्दर गीत की जन्मस्थली क्षेत्र रहा है | वाबजूद सुरिन्दर गीत को कालान्तर में कैनेडा जाना पड़ा किन्तु उनका मालवा के प्रति प्रेम, स्नेह और भोगे हुए यथार्थ के अनुभवों से लबरेज रही हैं | उनकी अनेक कहानियों में मालवा क्षेत्र और भारत के प्रति राष्ट्रीय चेतना प्रमुखता के साथ चित्रित हुआ है | विदेश में रहते हुए अपने देश और गाँव का स्मरण आना स्वाभाविक है | यहीं कारण है कि सुरिन्दर गीत में विदेश की धरती पर एक भारतीय औरत की दुर्दशा और भावुक आकांक्षाओं के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक तनाव का बयान करती 'क़ुरबानी' कहानी उल्लेखनीय है जिसमें उन्होंने विदेशी धरती पर एक भारतीय नारी की दुर्दशा और शोषण को उद्घाटित किया है | इस सम्बन्ध में 'क़ुरबानी' कहानी की विवेच्य पंक्तियाँ दृष्टव्य हैं- "फिर वह एक दिन मेरी बाँह तोड़ दी | एक दिन बालों से पकड़कर दरवाजे तक घसीटकर ले गया और बोला- यहीं दरवाजे में बैठकर रात काट | मैं दो-तीन घण्टे बैठी रही |"

सुरिन्दर गीत ने अपनी कहानी-कला के माध्यम से समाज में स्त्री जीवन की सच्चाईयों को मर्मस्पर्शी रूप से प्रदर्शित कर एक अनमोल खजाना निकाला है जिसमें जीवन के समस्त रस निहित हैं | सुरिन्दर गीत की कहानियों में गाँव की मिट्टी की खुशबू, शहरी जीवन का ताना-बाना, विदेश की अनुभूति के साथ-साथ बालमनोविज्ञान का सूक्ष्म विश्लेषण, भारतीय सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात, स्त्री स्वतन्त्रता की हुंकार, नारी सहज गुणों का मनभावन चित्रण और शोषित वर्ग के करूणा और शोषक वर्ग के प्रति प्रतिरोध का स्वर गुंजयमान हुआ है | इसीलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि सुरिन्दर गीत द्वारा रचित कहानी संग्रह 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' एक वृहद सागर है जिसमें जीवन के सभी अनुभवों-भावनाओं और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति हुई है | विवेच्य कहानी-संग्रह की हरेक कहानी पाठक वर्ग के नई दुनिया व नए भाव-बोध में ले जाती है| आलोच्य कहानी संग्रह हमें यथार्थ के धरातल पर लाकर खड़ा कर देती है जिसमें नाटकीयता या कृत्रिमता लेशमात्र भी परिलक्षित नहीं होती | इस कहानी संग्रह की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सारी कहानियों के शीर्षक अत्यंत और प्रासंगिक हैं | इस संग्रह की प्रत्येक कहानी सुरिन्दर गीत की सच्ची अनुभूति एवं अतिसूक्ष्म अवलोकन को परिलक्षित करती है | सुरिन्दर गीत द्वारा रचित कालजयी कृति 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' को निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से समझा जा सकता है-

1. सामाजिक समस्याओं का यथार्थ चित्रण

सुरिन्दर गीत ने अपने इस कहानी संग्रह द्वारा समाज में व्याप्त अनेकानेक सामाजिक समस्याओं का यथार्थपरक चित्रण किया है | इस कहानी संग्रह की प्रथम कहानी 'ताये के : चोर उचक्के नहीं' में उन्होंने कैनेडा में रह रहे भारतीयों और वहाँ के स्थानीय जनमानस की भयावह और त्रासदी भरे जीवन को अभिव्यक्त करती है जो वहाँ के सभ्य समाज की असली तस्वीर है | इस कहानी में कैनेडा में रह रहे लोगों की सामाजिक समस्याओं, संकटों, सीमाओं और संवेदनाओं

को भावाव्यक्त किया है | कथाकार ने अपनी लेखनी के माध्यम से दिखाया है कि जो साम्राज्यवादी धौंस के चलते अपने देश से ही गरीबी और भुखमरी, का शिकार होने के लिए विवश कर दिए गए हैं | इसके साथ-साथ इस कहानी संग्रह में जाति, धर्म और सम्प्रदाय के नाम पर होने वाले भेदभाव और शोषण की प्रवृत्ति, वृद्धों की असहाय स्थिति, सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों से सताए हुए जनमानस, उत्पीड़ित और टूटे हुए लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है | कुलमिलाकर कहा जाए तो सुरिन्दर गीत सामाजिक यथार्थ के तनावों, टकराहटों और अपवादों के प्रति चेतन और संवेदनशील नजर आती हैं |

2. नारी मुक्ति का स्वर

सुरिन्दर गीत एक सुपरिचित कथाकार होने के साथ-साथ एक स्त्री भी हैं इसलिए इनके कथा संग्रह में नारी मनोविज्ञान का सूक्षम चित्रण हुआ है | वह जानती हैं कि जब तक नारी का उत्थान नहीं होगा तब तक देश और समाज का उत्थान संभव नहीं है | सुरिन्दर गीत का मानना है कि नारी का स्वावलंबन, नेतृत्व की क्षमता, अन्याय का विरोध करना और हर परिस्थिति का साहस के साथ सामना करना अति अपरिहार्य है | इस साथ-साथ सुरिन्दर गीत ने विवेच्य संग्रह की शीर्षक कहानी 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' में नारी की ममता और मोह को पेश करने के साथ-साथ बाह्यमुखी यथार्थ के भीतर की विसंगतियों को भी उजागर किया है | इस कहानी के पात्र बलबीर के माध्यम लेखिका ने नारी के बड़े आदर्शों और मोह-ममता की तांतों को सिरज कर समाज में फैली विविध प्रकार की विसंगतियों पर भी कुटाराघात किया है |

वहीं दूसरी ओर 'सौदा' कहानी में सुधी को देखने आए लड़के वालों के अनर्गल प्रश्नों का धैर्य और विरोध के साथ प्रतिउत्तर देती आत्मविश्वास से भरी लडकी का प्रतिनिधित्व करती है | यह प्रतिउत्तर की अवधारणा नारी मुक्ति के स्वर को उजागर करती है | इस कहानी के माध्यम से यह निष्कर्ष निकलता है कि आधुनिक नारियों कोई धैर्य, संयम, सहनशीलता के साथ-साथ अपने ऊपर हो रहे शोषण का भी प्रतिरोध करना चाहिए | इस प्रकार कहा जा सकता है कि आलोच्य कहानियों की नायिकाएं डरपोक नहीं अपितु आत्मनिर्भर, आत्मविश्वास और भावनाओं से परिपूर्ण हैं |

3. शोषक और शोषितों का सजीव चित्रण

सुरिन्दर गीत ने अपने कहानी संग्रह में शोषक और शोषितों का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया है | इन्होंने अपनी कहानियों के माध्यम से दिखाया है कि किस प्रकार समाज का अभिजात्य वर्ग निम्नवर्ग और विशेषकर स्त्रियों का शोषण करता है | सुरिन्दर गीत इस कहानी संग्रह के माध्यम से शोषितों के प्रति प्रतिरोध और शोषक वर्ग के प्रति सहानुभूति का भाव रखती हैं | इस सम्बन्ध में ताये के : चोर-उचक्के नहीं' कहानी में अंगेजों द्वारा भारतीय नारी पर गए शोषण को इस प्रकार से अभिव्यक्त किया है- "मैंने उसके चेहरे पर पड़े-से निशान के बारे में पूछा तो उसने गहरी आह भरकर बताया कि जब वह छः साल का था तो अंग्रेज लोग उसको और उसकी बहन को उसके माँ-बाप से छीनकर किसी दूर के स्कूल में ले गए थे |"

4. समाज में व्याप्त कुरीतियों पर तीखा प्रहार

आधुनिकता और विकास के कितने ही सोपान चढ़ने के पश्चात भी भारतीय समाज में अनेकों कुरीतियाँ यथावत वैसी की वैसी ही हैं जिसका विवेचन-विश्लेषण सुरिन्दर गीत ने विवेच्य कहानी संग्रह में किया है | यदि सुरिन्दर गीत के कहानी संग्रह 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' की पड़ताल करें तो इसमें अंतर्निहित तत्वों के आधार कर कहा जा सकता है कि

भारतीय समाज में फैली जात-पात, वर्ग भेद, नारी शोषण, आर्थिक लुट,धार्मिक कट्टरता, सामाजिक अन्याय आदि कुरीतियों पर तीखा प्रहार किया गया है | सुरिन्दर गीत ने मुख्य रूप से मध्यमवर्गीय समाज की समस्याओं को उकेरा है |

5. स्त्रीवादी दृष्टिकोण

'तोहफ़ा और तोहफ़ा' कहानी संग्रह के आलोक में कथाकार सुरिन्दर गीत स्त्रियों के प्रति सम्मानजनक और आदर्शवादी दृष्टिकोण रखती हैं | सुरिन्दर गीत ने अपने आदर्शवादी और मानवतावादी दृष्टिकोण के माध्यम से स्त्री-पुरुष सम्बन्धों को भी सिरजती हैं| उनकी कई कहानियाँ आदर्शवादी या रोमांच एवं रोमांस की हदों को भी पार करती हैं | 'मैं अच्छी माँ हूँ' नामक कहानी में उन्होंने स्त्री को मानसिक कष्टों के कारण अनेक यातनाएं सहते हुए परिलक्षित किया है | इस प्रकार की कहानियों में उन्होंने स्त्री को अपने अस्तित्व का अहसास करवाने का यत्न करती हैं | वास्तव में सुरिन्दर गीत की कहानियाँ यथार्थ के धरातल को बखूबी बयान करती हैं | इस दृष्टिकोण के माध्यम से उनकी कथा शैली, तकनीक, वृतांत आदि निर्धारित हुए हैं | उदाहरणतः 'कैनेडा की टिकट', खेत के कोने से', 'देवता', 'बेटी का कर्ज' आदि कहानियों में स्त्रीवादी दृष्टिकोण घनीभूत हुआ है |

6. कहानी की भाषा-शैली एवं संवाद

कहानी की भाषा शैली व संवाद कहानी के सौन्दर्य में अभिवृद्धि करती है | भाषा सरल, संयत, प्रौढ़ व पात्रों के अनुकूल होने से कहानी को प्रसिद्धि प्राप्त होती है | यदि बात 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' कहानी संग्रह की करें तो इसमें सुरिन्दर गीत ने स्थान, समय, परिवेश और पात्रानुकूल सरल, संयत और प्रौढ़ भाषा का प्रयोग किया है | उदाहरणतः 'एक अंत, एक शुरुआत' कहानी में पात्रानुकूल भाषा का प्रयोग किया गया है – "सिमर का पूरा शरीर काँप रहा था और उसके काँपते हाथों से दूध का भरा गिलास फिसल गया | यह देखकर सुखपाल का पारा सातवें आसमान पर जा पहुँचा | जैसे ही सुखपाल की माता ने बोलना शुरू किया पता नहीं हमारे भाग्य में यह कहाँ धरी हुई थी तो उसी वक्त सुखपाल ने अपने पैर में पहनी जूती उतारकर सिमर को कूटना शुरू कर दिया |" कहानियों में प्रयुक्त किए गए शब्दों और वाक्य विन्यास को प्रयोग भी परिस्तिथियों के अनुरूप किया है | लेकिन कई बार कहानियों की भाषा में अत्यधिक भावुकता के प्रभावमय से काव्यमयी हो गयी है| इस प्रकार की भाषा को 'क़ुरबानी', गुनाह' और 'मैं अच्छी माँ हूँ' में सहजता से देखा जा सकता है | आलोच्य कहानी संग्रह स्त्री के सुख-दुखों का महाकाव्य है जो प्रगीत शैली में पेश किया गया है |

निष्कर्ष

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर अन्ततोगत्वा कहा जा सकता है कि 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' कहानी संग्रह कहानी कला के तत्वों के आधार पर एक सार्थक रचना कही जा सकती है जिसका कथानक, पात्र-चरित्र-चित्रण, संवाद शैली, उद्देश्य और भाषा-शैली उपयुक्त है | 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' कहानी संग्रह की प्रत्येक कहानी अपने आप में अद्वितीय है जो पाठकों को चिन्तन-मनन करने के लिए बाध्य करती है | इस प्रकार हम पाते हैं कि सुरिन्दर गीत स्वर रचित 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' कहानी संग्रह हिंदी साहित्य की एक अमूल्य निधि है | वास्तव में यह कहानी संग्रह भावों का एक सुंदर सागर जिसमें मानव जीवन से जुड़ी समस्त भावनाएं और संवेदनाएं हिलोरे लेती हैं |

सन्दर्भ सूची

[1]. 'तोहफ़ा और तोहफ़ा', सुरिन्दर गीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2024

[2]. प्रवासी सहित्यकार हंसा दीप का कहानी साहित्य, डॉ. नूतन पाण्डेय एवं दीपक पाण्डेय, सर्व भाषा ट्रस्ट, प्रथम संस्करण 2023

[3]. समकालीन हिंदी कहानी का स्त्री पक्ष, संपादक विजय राय, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली

[4]. शत प्रतिशत, डॉ, हंसा दीप, किताबगंज प्रकाशन, नई दिल्ली

[5]. प्रवासी साहित्य में भारतीय संस्कृति, डॉ. सुनील पाटिल, वान्या प्रकाशन, संस्करण 2022

[6]. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा, प्रो. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, संस्करण 2018

[7]. प्रवासी हिंदी साहित्य भारतीयता का विस्तार, प्रियंका यादव, करंट पब्लिकेशन, प्रथम संस्करण 2024

Cite this Article

डॉ. भरत सिंह, डॉ. नरेश कुमार, "सुरिन्दर गीत द्वारा रचित कहानी संग्रह 'तोहफ़ा और तोहफ़ा' का समीक्षात्मक अध्ययन", *International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST), ISSN: 2584-0231, Volume 3, Issue 11, pp. 22-26, November 2025.*

Journal URL: *https://ijmrast.com/*

DOI: *https://doi.org/10.61778/ijmrast.v3i11.204*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.